2

आनंदमयी कविता

घर

पापा, क्यों अच्छा लगता है
अपना प्यारा-प्यारा घर?
घूम-घाम लें, खेल-खाल लें
नहीं भूलता लेकिन घर।

नहीं आपको लगता पापा
है माँ की गोदी-सा घर।
प्यारी-प्यारी ममतावाला
सुंदर-सुंदर न्यारा घर।

थककर जब वापस आते हैं
कैसे बिछ-बिछ जाता घर।
खिला-पिला आराम दिलाकर
नई ताज़गी देता घर।

— दिविक रमेश

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27

बातचीत के लिए

1. आपको अपने घर में सबसे अधिक क्या अच्छा लगता है और क्यों?
2. आपको कब-कब घर की याद आती है?
3. घर को माँ की गोदी-सा क्यों कहा गया है?
4. कोई ऐसी घटना सुनाइए जब पूरे परिवार ने साथ मिलकर घर का कोई काम किया हो।

खोजें-जानें

1. 'घर' कविता अपने परिवार के किसी सदस्य को सुनाइए। घर या परिवार पर उनसे कोई अन्य कविता या कहानी सुनाने के लिए कहिए।
2. अपने परिवार के लोगों से बात करके पता कीजिए और लिखिए –

परिवार के लोग	आप किस नाम से बुलाते हैं?
आपकी माँ की बहन	
आपकी माँ के भाई	
आपके पिताजी की बहन	
आपके पिताजी के भाई	

शिक्षण-संकेत – हो सकता है कि सभी बच्चे यह कार्य करके ना ला पाएँ। जो भी बच्चे ला पाएँ, उन्हें उनका कार्य कक्षा में साझा करने को कहिए ताकि सभी बच्चे उसका आनंद ले सकें। बच्चों द्वारा अपनी-अपनी मातृभाषा में लिखे गए शब्दों को स्वीकार कीजिए और कक्षा में बहुभाषिकता की भावना को प्रोत्साहित कीजिए।

not to be republished © NCERT

Reprint 2026-27